आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–**13 जुलाई** 2026 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- प्रदेश भर में पौधरोपण महाअभियान के तहत लगाए गए 35 करोड़ से अधिक पौधे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा– पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सरकार ने उठाये महत्वपूर्ण कदम।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन–राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री आज लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेस वे का करेंगे लोकार्पण।
- श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्रा ने कहा– आगामी 22 जुलाई को श्रीराम मंदिर ट्रस्ट की बैठक में मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति पर होगा फैसला।
- सरकार ने कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल–थानी के निधन पर आज पूरे देश में घोषित किया एक दिन का राष्ट्रीय शोक

****

प्रदेश भर में 'पौधरोपण महाअभियान–एक पेड़ मां के नाम' के तहत कल 35 करोड़ से अधिक पौधे लगाये गये। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 'पवित्र त्रिवेणी' के पौधों को रोपकर इस महाअभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं।

यूपी के अंदर इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी वृद्धि हुई है। नए–नए एक्सप्रेसवे, हाईवे, सड़कों का एक लंबा जाल बिछा है। नए–नए उद्योग आए हैं। शहरीकरण में भी नई–नई कॉलोनियां बनी है, बसी है। सबसे ज्यादा भौतिक विकास की गति को तेज करने में योगदान देने वाले राज्य के रूप में यूपी ने अपने आप को स्थापित किया है। लेकिन सबसे ज्यादा भौतिक विकास के साथ–साथ पर्यावरण की दृष्टि से बड़े राज्यों में यूपी ने अपने वनाच्छादन को भी विस्तार देने में सफलता प्राप्त की है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विकास वाटिका की स्थापना, वानिकी आधारित कैलेंडर का विमोचन और 'मौलश्री' का पौधा लगाकर 'हरित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को भी आगे बढाया। उन्होने मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को पौधे और चेक प्रदान किए। कार्यक्रम में प्रदेश के वन मंत्री डॉ. अरूण कुमार सक्सेना भी मौजूद थे। प्रदेश भर में चलाये गये पौधरोपण महाभियान के क्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कल जन–भवन परिसर में सफेद चंदन का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि सभी को प्रकृति के संरक्षण और स्वस्थ जीवन पद्धति को अपनाने का संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान जन भवन की नक्षत्र वाटिका में कुल 29 चंदन के पौधे लगाए गए। पौधारोपण अभियान में जन भवन के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ–साथ बालिका गृह की लड़कियों ने भी हिस्सा लिया। राज्य ने इस वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर 5 करोड़ से ज्यादा पौधे भी लगाए। उत्तर प्रदेश में इस साल अब तक कुल 40 करोड़ 29 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। यह अभियान 27 विभागों के आपसी सहयोग से चलाया गया, जिसमें वन विभाग ने साढे 15 करोड़ पौधे लगाने का सबसे बड़ा लक्ष्य पूरा किया। लखनऊ से सुशील तिवारी की रिपोर्ट के साथ, समाचार कक्ष से, रेशमा तिवारी।

कल प्रदेश भर में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने पौधरोपण अभियान में हिस्सा लिया। एक रिपोर्ट–

पौधरोपण महाभियान के तहत उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने बाराबंकी में कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण और मां के सम्मान से जुड़ा महत्वपूर्ण जनअभियान है। आगरा के सिकंदरा में स्थानीय सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री एस. पी. सिंह बघेल और प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने पौधारोपण कर इस अभियान की शुरुआत की। बागपत में केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत चौधरी और के. पी. मलिक ने वृक्षारोपण किया। कानपुर नगर में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, देवरिया में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, इटावा में राज्यमंत्री जे.पी.एस.राठौर ने पौधरोपण किया। समाचार कक्ष से फजल इनाम।

****

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन–राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेस–वे का शुभारंभ करेंगे। कल से वाहन इस एक्सप्रेस–वे पर दौड़ने लगेंगे।

63 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस–वे लखनऊ और कानपुर के बीच यात्रा के समय को मौजूदा 3 घंटे से घटाकर केवल 45 मिनट कर देगा। इस एक्सप्रेसवे पर दोपहिया वाहनों को जाने की अनुमति नहीं होगी। यह भारत का पहला बैरियर–मुक्त एक्सप्रेसवे भी बनेगा, जिसमें टोल प्लाजा से 500 मीटर पहले ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरे और फास्टैग रीडर लगाए गए हैं, ताकि वाहनों को रोके बिना टोल टैक्स काटा जा सके। हादसे की स्थिति में, एआई सक्षम कैमरे तुरंत एनएचएआई नियंत्रण कक्ष को सूचित कर देंगे। इस एक्सप्रेस–वे को राष्ट्रीय राजमार्ग लखनऊ–कानपुर और उन्नाव–लालगंज के साथ साथ गंगा एक्सप्रेसवे, आउटर रिंग रोड से भी कनेक्ट किया गया है। मुमताज अली आकाशवाणी समाचार लखनऊ।

****

श्री राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कल अयोध्या में बताया कि आगामी 22 जुलाई को श्री राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक होगी, जिसमें मुख्य कार्यपालक अधिकारी–सीईओ की नियुक्ति, समितियों और उप समितियों के भविष्य सहित कई प्रशासनिक विषयों पर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीईओ ट्रस्ट के अधीन ही काम करेंगे।

मुख्य प्रबंधक अधिकारी होंगे तो वह ट्रस्ट के अधीन प्रबंधन का कार्य देखेंगे और यह तो ट्रस्ट पर निर्भर करेगा कि वह किस प्रकार का डेलीगेशन सीईओ को करते हैं और जैसा डेलीगेशन करेंगे वैसे ही फिर सीईओ जो है वह अपना स्टाफ वहां पर व्यवस्था की करेंगे लेकिन सब कुछ ट्रस्ट के अधीन है।

****

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, ई.पी.एफ.ओ ने 'माफी योजना–2026' शुरू की है। इसके तहत छूट प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट चलाने वाले प्रतिष्ठानों को अपनी स्थिति नियमित करने का एकमुश्त अवसर दिया गया है। यह योजना छह महीने तक लागू रहेगी। एक रिपोर्ट–

ईपीएफओ की यह एमनेस्टी योजना मान्यता प्राप्त भविष्य निधि ट्रस्ट चला रहे पात्र संस्थानों को नियमित करने का एक और अवसर प्रदान करती है। इस योजना के तहत वह अपने ट्रस्ट की स्थिति को पिछली तारीख से नियमित करा सकते हैं। कर्मचारियों के लिए, यह योजना उनके नियोक्ता के भविष्य निधि ट्रस्ट की कानूनी स्थिति को लेकर अधिक स्पष्टता और भरोसा प्रदान करेगी। दीपेन्द्र कुमार की रिपोर्ट के साथ, अक्षित वैद्यान, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

योजना का लाभ लेने के लिए पात्र प्रतिष्ठानों को संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय में ई–मेल के माध्यम से औपचारिक आवेदन भेजना होगा।

****

भारत सरकार ने कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल–थानी के निधन पर आज एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। इस दौरान पूरे देश में उन सभी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शेख हमद बिन खलीफा अल–थानी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने कतर को विकास और समृद्धि के नए मुकाम तक पहुंचाया।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने की 26 तारीख को 'आकाशवाणी' के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देश और विदेश के लोगों से अपने विचार साझा करेंगे। यह इस कार्यक्रम की 136वीं कड़ी होगी। श्रोता टोल–फ्री नंबर 1800–11–7800 पर कार्यक्रम के लिए अपने विचार और सुझाव भेज सकते हैं। आगामी अंक के लिए सुझाव इस महीने की 24 तारीख तक स्वीकार किए जाएंगे।

****

प्रदेश के कई जिलों में बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ से जुड़े मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया कि राज्य के तराई और पूर्वांचल के कई जिलों में तीन दिनों तक गरज–चमक के साथ हल्की से लेकर मध्यम वर्षा होने का अनुमान है।

मानसून का तराई बेल्ट में शिफ्ट हो गया है जिसकी वजह से उत्तर प्रदेश के जो तराई क्षेत्र हैं जैसा कि लखीमपुर खीरी, बहराइच, बलरामपुर, कुशीनगर, देवरिया में मध्यम से भारी वर्षा होने की संभावना है। बाकी जगह की बात करें तो स्पेशली पूर्वी उत्तर प्रदेश की बात करें तो वहां पर बादलों की आवाजाही रहेगी तथा कुछ जगहों पर छिटपुट वर्षा की संभावना है तो कुल मिलाकर यह सिलसिला दो से तीन दिनों तक रहेगा।

इस बीच, बारिश और बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण प्रदेश में कई नदियों का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है।

****